



कक्षा: 10वीं (सामाजिक अध्ययन)

पाठ 1. पाँच स्तंभों की विशेषताएँ और

इसके इतिहास पर उनका प्रभाव

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1-15 शब्दों में दीजिए:

1. किस भाषा में पैन जाब शब्द को समान अक्षरों से लिखा जाता है?

उत्तर: पंजाब दो फ़ारसी शब्दों - पंज और आब - से मिलकर बना है। पंज का अर्थ है पाँच और आब का अर्थ है जल, यानी पाँच ग्रहों की भूमि।

2. भारत विभाजन का पंजाब पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर भारत के विभाजन के कारण पंजाब दो भागों में विभाजित हो गया - पूर्वी पंजाब और पश्चिमी पंजाब। पूर्वी पंजाब भारत ने इसे एक हिस्सा दिया और पश्चिमी पंजाब ने इसे पाकिस्तान को दे दिया।

3. किस काल में पंजाब को सप्त-कासंध कहा जाता था और क्यों?

उत्तर: वैदिक काल में पंजाब को सप्त-नासन्धु कहा जाता था क्योंकि उस समय यह सात नदियों का प्रदेश था। तो वे चार नदियाँ कौन-कौन सी हैं? उनके नाम लिखिए।

4. हिमालय की पश्चिमी पर्वत श्रृंखलाओं को किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर: खैबर, तोची, कुर्रम और बोलन।

5. अगर पंजाब के उत्तर में मानसून न हो, तो इससे किस तरह का फर्क पड़ेगा? उत्तर- अगर पंजाब के उत्तर में मानसून न हो, तो ^ए का?

यह इलाका सूखा और ठंडा हो जाएगा और यहाँ मानसून बहुत कम होगा।

केवल कृषि ही अस्तित्व में रहेगी।

6. 'पिता' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर: दोनों महाद्वीपों के बीच के क्षेत्र को दोआबा कहा जाता है।

सतह और निचले हिस्से के बीच का अंतर यह है कि ^ए इसे भी कहा जाता है और इसके गुणों को 7 के रूप में भी जाना जाता है। शरीर की वहाँ हैं?

उत्तर : सतलुज नदी और घग्गर नदी के बीच के क्षेत्र को 'मालवा' कहा जाता है और इसके निवासियों को 'मालवई' कहा जाता है।

8. आबा प्रांत का नाम यह क्यों रखा गया? इसके दो प्रसिद्ध शहरों के नाम क्या हैं?

उत्तरी दोआबा बस्त, ब्यास और सतलुज नदियों के बीच का क्षेत्र है। जालंधर और आशापुर इस दोआबा के प्रमुख शहर हैं।

9. उत्तर-दोआब क्षेत्र को ^ए इसे माझा क्यों कहा जाता है और इसके निवासी कहां से आते हैं? ^ए

माझा इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह पंजाब के मध्य में स्थित है और इसके निवासियों को 'मझेल' कहा जाता है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30-50 शब्दों में दीजिए:

1. कमला पहाड़ियों के पाँच लाभ लिखिए।

उत्तर: हिमालय पहाड़ियों के पांच मुख्य लाभ इस प्रकार हैं: 1. हिमालय के कारण पंजाब की नदियों में साल भर पानी बहता रहता है, जिससे पंजाब की भूमि उपजाऊ है।

2. हिमालय में पाए जाने वाले वन आवश्यक जड़ी-बूटियाँ और लकड़ी प्रदान करते हैं। 3. मानसूनी हवाएँ हिमालय से टकराकर वर्षा करती हैं। 4. यदि पंजाब के उत्तर में यह पर्वत न होता तो पंजाब एक शुष्क और ठंडा क्षेत्र होता और यहाँ कृषि नगण्य होती। 5. हिमालय के कारण ही पंजाब में शिमला, मनाली और सोलन जैसे खूबसूरत पर्यटन स्थल हैं। 2. हिमालय के अकाबों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। उत्तर-1. आबा-संध सागर- इस क्षेत्र में इंदौर और झेलम नदियों के बीच का क्षेत्र शामिल है। यह क्षेत्र अधिक उपजाऊ नहीं है। 2. दोआबा- चिनाब और झेलम नदियों के बीच के क्षेत्र को दोआबा कहते हैं। यह दोआबा सिंधु सागर से भी अधिक उपजाऊ है। गुजरात, भेरा और शाहपुर इसके प्रसिद्ध शहर हैं। 3. दोआबा- यह दोआबा रावी और चिनाब नदियों के बीच है। यह काफी उपजाऊ है। सियालकोट, गुजरांवाला और शेखपुरा इस दोआबा के प्रसिद्ध शहर हैं। 3. क्या पंजाब के कार्यों ने उसके इतिहास को भी प्रभावित किया? उत्तर-1. यह नदी वर्ष भर बहकर राज्यों के बीच सीमा का काम करती रही है। 2. सतलुज नदी अंग्रेजों और महाराजा रिजित सिंह के राज्यों के बीच सीमा का काम करती है। 3. आज भी रावी नदी का कुछ हिस्सा भारत-पंजाब सीमा के रूप में कार्य करता है। 4. कई बार नदियों ने विदेशी आक्रमणकारियों के लिए निवारक के रूप में भी काम किया है। 5. नदियों ने व्यापार के माध्यम से पंजाब की आर्थिक स्थिति में सुधार किया है। 4. अलग-अलग समय में पंजाब की सीमाओं के बारे में जानकारी दें। पूरे इतिहास में उत्तर-पंजाब क्षेत्र की सीमाएँ समय-समय पर बदलती रही हैं। 1. ऋग्वेद में, पंजाब में संपूर्ण क्षेत्र शामिल था, जो संध, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलुज और सरस्वती नदियों से घिरा था।

2. मौर्य और कुषाण काल के दौरान, पंजाब की पश्चिमी सीमा हिंदू कुश पर्वत तक फैली हुई थी। 3. इंडो-बख्तरिया और इंडो-पार्थियन राजवंशों के तहत, पंजाब की सीमा वर्तमान अफगानिस्तान तक फैली हुई थी।

4. दिल्ली सल्तनत के शासन के दौरान, पंजाब का लाहौर प्रांत पेशावर तक विस्तृत था। 5. महाराजा रिजित सिंह के शासनकाल के दौरान, पंजाब की पूर्वी सीमा सतलुज और पश्चिमी सीमा खैबर थी। 5. हिमालय ने पंजाब के इतिहास को कैसे प्रभावित किया?

हिमालय पर्वत श्रृंखला उत्तरी पंजाब के उत्तर-पश्चिम में एक मज़बूत दीवार का काम करती है। पश्चिम से कई आक्रमणकारी अपनी किस्मत आजमाकर भारत आए। चूँकि हिमालय पर्वत श्रृंखला में कई पर्यटन स्थल हैं, इसलिए देश-विदेश से पर्यटक यहाँ आते रहते हैं, जिससे पंजाब की स्थिति सुधरती रही है। हिमालय की पश्चिमी पहाड़ियों के दरों से होकर मध्य एशिया के साथ हमारा आवागमन होता था। इन्हीं दरों से पंजाब का व्यापार, कला और संस्कृति फली-फूली।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100-120 शब्दों में दीजिए:

1. हिमालय और उत्तर-पश्चिमी पहाड़ियों का वर्णन कीजिए। उत्तर-हिमालयी पहाड़ियाँ

पंजाब में एक श्रृंखला हैं। इनमें कई घाटियाँ भी हैं। इनकी चौड़ाई लगभग 250 किलोमीटर है। ये पहाड़ियाँ एकसमान नहीं हैं। इसलिए, इन्हें उनकी ऊँचाई के अनुसार तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है।

इसे महान हिमालय, मध्य हिमालय और बाह्य हिमालय में विभाजित किया गया है। महान हिमालय की पर्वत श्रृंखला पूर्व की ओर पाल और तिब्बत तक फैली हुई है। इनकी ऊँचाई लगभग 5851 मीटर से 6718 मीटर तक है।

मध्य हिमालय हमेशा बर्फ से ढका रहता है। मध्य हिमालय को आमतौर पर पांगी पर्वतमाला कहा जाता है। ये पर्वतमालाएँ रोहतांग दर्रे से चंबा तक फैली हुई हैं और चिनाब तथा रावी नदियों की घाटियों को विभाजित करती हैं। इन पर्वतमालाओं की ऊँचाई लगभग 2155 मीटर है। बाह्य हिमालय की पर्वतमालाएँ मध्य हिमालय की पर्वतमालाओं के समानांतर चलती हैं। ये पर्वतमालाएँ चंबा और धर्मशाला से कश्मीर तक फैली हुई हैं।

रावलपिंडी, झेलम और गुजरात पर्वतमालाएँ हिमालय की घाटियों में बहती हैं। इनकी ऊँचाई लगभग 923 मीटर है। इन्हें धौलाधार पर्वतमाला भी कहा जाता है। उत्तर-पश्चिमी हिमालय की पश्चिमी पर्वत श्रृंखलाओं को सुलेमान और करतार पर्वतमालाएँ कहा जाता है। इन पर्वतमालाओं में खैबर सहित कई चोटियाँ हैं।

कुर्रम, तोची, बोलन और गोमल नदियाँ प्रसिद्ध हैं। इन नदियों के माध्यम से पंजाब के मध्य एशिया से संबंध स्थापित हुए। सभी पश्चिमी आक्रमणकारी खैबर दर्रे के रास्ते पंजाब आए।

2. पंजाब के मैदानों का वर्णन कीजिए।

उत्तरी पंजाब की भूमि दो भागों में विभाजित है, पूर्वी मैदान और पश्चिमी मैदान। यमुना और रावी नदियों के बीच इस क्षेत्र को 'पूर्वी मैदान' और रावी व सिंधु नदियों के बीच के क्षेत्र को 'पश्चिमी मैदान' कहा जाता है। अकबर के एक समय में दोनों नदियों के बीच के क्षेत्र को दोआबा कहा जाता था और पंजाब पाँच दोआबों में विभाजित था। प्रत्येक दोआबा का नाम उसके दो प्रमुख राज्यों के नामों के पहले अक्षरों के संयोजन से लिया गया है। पंजाब में पाँच दोआबे हैं।

ये भी जाने जाते

हैं- 1. आबा रेत सागर- इस दोआबा में दानरिया रेत और दानरिया झेलम के बीच का क्षेत्र शामिल है। यह क्षेत्र बहुत उपजाऊ नहीं है।

2. चिनाब और झेलम नदियों के बीच के क्षेत्र को 'दोआब चाज' कहा जाता है। यह दोआबा एंडीज़ सागर के दोआबा से भी ज़्यादा उपजाऊ है। गुजरात, भेरा, शाहपुर इस दोआबा के प्रसिद्ध कस्बे हैं।

3. दोआब संरचना- यह दोआब रावी और चिनाब नदियों के बीच स्थित है। यह दोआब बहुत उपजाऊ है। सियालकोट, गुजरांवाला और शेखपुरा इस दोआबे के प्रमुख शहर हैं। 4. आब बारी- यह दोआबा ब्यास और रावी नदियों के बीच स्थित है। इस दोआबे की भूमि पंजाब की शेष भूमि से अधिक उपजाऊ है। पंजाब के मध्य में होने के कारण इसे 'माझा' भी कहते हैं। पंजाब के बड़े और उपजाऊ शहर लाहौर और अन्नामृतसर इसी दोआबे में आते हैं। 5. आब कबास्ट जालंधर- सतलुज और ब्यास नदियों के बीच के क्षेत्र को 'दोआबा कबास्ट जालंधर' कहा जाता है। इस क्षेत्र को दोआबा के नाम से भी जाना जाता है। इसकी भूमि बहुत उपजाऊ है। जालंधर, आशापुर और कपूरथला इस दोआबे के प्रमुख शहर हैं।

उपरोक्त पाँच घाटियों के अलावा सतलुज और घग्गर नदियों के बीच के क्षेत्र को मालवा कहा जाता है।

पानीपत, रोपड़, सरहिंद, लुधियाना और बंठी इसके प्रसिद्ध शहर हैं। इस क्षेत्र के निवासियों को 'मालवई' कहा जाता है। घग्गर और यमुना नदियों के बीच के क्षेत्र को बांगर कहा जाता है। इस क्षेत्र के शहरों में कुरुक्षेत्र, पठानकोट, करनाल और थाने सबसे लोकप्रिय शहर हैं।

योगदान: हरदवनधर संधू (राज्य संसाधन, व्यक्ति, सामाजिक विज्ञान) एससीईआरटी पंजाब, (आचार्य विद्यापीठ) एम.सी.पी.आर.टी. पंजाब,

रिजित कौर (लाख इतिहास) एस.एस.एस. स्कूल जीना बेट, गुरदासपुर और, गुरदासपुर अंडे

मनदीप कौर (एस.एस. मिस्ट्रेस) एस.के.एस.एस. स्कूल दखन, लुधियाना। लुपिआष्टा।